केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) एवं NCTE नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित

शिक्षक पात्रता परीक्षा

CTET/UPTET

USEFUL FOR- MPTET, UKTET, CGTET, JTET, REET, HTET, HPTET

प्राथमिक स्तर (कक्षा I-V)

बाल विकास एवं शिक्षण

पर्यावरणीय अध्ययन, गणित

भाषा-हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत

परीक्षा प्वाइंटर

प्रधान सम्पादक

Anand K. Mahajan

लेखन सहयोग

परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स

बालकृष्ण त्रिपाठी, भूपेन्द्र मिश्रा

संपादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने आर.ए. सिक्योरिटी प्रिंटर्स, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन प्रा.लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव और सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 995/-

विषय-सूची

■ बाल विकास 5-180

भाग–I

- शिक्षा एवं मनोविज्ञान 5-6
- विकास की अवधारणा और अधिगम के साथ उसका सम्बन्ध 7-17
- बालकों के विकास के सिद्धांत 18-22
- वंशानुक्रम और वातावरण 23-28
- समाजीकरण की प्रक्रियाएँ, सामाजिक विश्व और बालक 29-32
  (शिक्षक, विद्यालय, अभिभावक, जन संचार माध्यम और मित्रगण)
- पियाजे, कोह्लबर्ग, ब्रूनर एवं वाइगोत्सकी के सिद्धांत 33-51
- बाल केन्द्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा 52-62
- बौद्धिकता के निर्माण का विवेचित संदर्श एवं बौद्धिकता मापन 63-65
- बहुआयामी बौद्धिकता 66-68
- व्यक्तित्व और उसका मापन 69-73
- भाषा एवं विचार 74-79
- समाज निर्माण में लैंगिक मुद्दे 80-83
- व्यक्तिगत विभिन्नताएँ 84-87
- अभियोग्यता/अभिक्षमता, अभिवृत्ति तथा मूल्य 88-88
- आकलन/मूल्यांकन 89-94

भाग–II : समावेशी शिक्षा, निर्देशन एवं परामर्श

- समावेशी शिक्षा की अवधारणा एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समझ 95-101
- अलाभान्वित एवं वंचित वर्गों सहित विविध पृष्ठभूमियों के अधिगमकर्ताओं की पहचान एवं शिक्षा 102-104
- अधिगम कठिनाइयों 'क्षति' आदि से सम्बन्धित बालक.. 105-112
- प्रतिभावान, सृजनात्मक तथा विशेष क्षमता वाले बालक 113-117
- समायोजन व मानसिक स्वास्थ्य 118-119
- समस्याग्रस्त बालक पहचान एवं निदानात्मक पक्ष 120-120
- बाल–अपराध, कारण एवं प्रकार 121-121
- निर्देशन एवं परामर्श 121-122
- क्रियात्मक अनुसंधान.. 122-122

भाग–III : अधिगम और अध्यापन

- बालकों का सोचना और सीखना तथा विद्यालय प्रदर्शन में असफलता के कारण 123-137
- अधिगम और अध्यापन की बुनियादी प्रक्रियाएँ.. 138-154
- बालक एक समस्या समाधानकर्ता एवं वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में 155-157
- बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक अवधारणाएँ एवं उनकी त्रुटियों को समझना 158-163
  अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक–अवधान एवं रुचि
- बोध/संज्ञान, संवेग, संवेदनाएँ एवं प्रत्यक्षीकरण 164-166
- अभिप्रेरणा और अधिगम 167-173
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक 174-174
- स्मृति, विस्मृति, आदत निर्माण, थकान तथा अनुशासन 175-176
- शिक्षा में सांख्यिकी विधियाँ 177-177
- विविध 178-180

■ हिन्दी 181-252

- हिन्दी वर्णमाला 181-183
- वाक्य रचना, विराम चिह्न एवं वर्तनी शुद्धि 184-184
- विलोम, पर्यायवाची, एकार्थक-अनेकार्थक, तद्भव-तत्सम, देशज-विदेशज, वाक्यांश के लिए एक शब्द 185-189
- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण तथा उनके भेद 187-189

- लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य 190-190
- उपसर्ग-प्रत्यय 191-191
- संधि-समास 192-193
- लोकोक्ति एवं मुहावरे 194-195
- रस, छन्द, अलंकार तथा उसके भेद 195-195
- कवियों एवं लेखकों की रचनाएँ 196-197
- हिन्दी विविध प्रश्न 198-198
- भाषा अधिगम और अर्जन 199-206
- भाषा अध्यापन के सिद्धान्त 207-213
- भाषा का कार्य (सुनने और बोलने की भूमिका) 214-218
- विचारों का सम्प्रेषण (मौखिक और लिखित) 219-225
- भाषा कौशल (बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना) 226-230
- भाषा बोधगम्यता एवं मूल्यांकन 231-240
- अध्यापन अधिगम सामग्रियाँ 241-248
- उपचारात्मक अध्यापन 249-251
- भाषा शिक्षण के विविध प्रश्न 252-252

■ **संस्कृत 253-375**

- संज्ञा प्रकरण/उच्चारण स्थान/प्रयत्न/वर्णविचार 253-256
- सन्धि 257-262
- समास 263-266
- कारक 267-270
- शब्द रूप/लिङ्ग/वचन 271-274
- धातु रूप 275-278
- शुद्ध/अशुद्ध/अनुवाद/शब्दार्थ/वाच्य परिवर्तन 279-284
- संख्या 285-286
- उपसर्ग 287-287
- क्रिया 287-287
- पर्यायवाची 288-289
- विलोम शब्द 290-290
- साहित्य काव्य 291-301
- सूक्ति ज्ञान 302-302
- प्रत्यय 303-306
- अव्यय 307-307
- रस/छन्द/अलङ्कार 308-308
- सर्वनाम 309-309
- घर/परिवार/शब्द अर्थ 309-309
- दर्शन एवं अन्य प्रश्न 310-317
- संस्कृत शिक्षण एवं भाषा ज्ञान 318-375

■ **पर्यावरण और पारिस्थितिकी 367-450**

खण्ड-A

- पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र 376-378
- पर्यावरण भूगोल 379-384
- जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण 385-387
- पर्यावरणीय प्रदूषण 388-390
- ऊर्जा और संसाधन 391-391
- राष्ट्रीय उद्यान, वन्य 392-392
- पर्यावरण कानून और अधिनियम 393-393
- परिवार और मित्र 394-394

- जीव जन्तु और पेड़-पौधे 394-397
- जल 398-399
- भोजन 400-401
- हम चीजे कैसे बनाते हैं 402-402
- आश्रय 403-403
- यात्रा और परिवहन 404-407
- विज्ञान 408-415
- भारतीय विविधता में एकता 416-417
- मेला और त्योहार 418-418
- भारतीय संविधान के प्रमुख अनुच्छेद 419-420
- हमारा प्रदेश 421-421

खण्ड-B

- पर्यावरण शिक्षण 422-423
- पर्यावरण अध्ययन 424-426
- अधिगम सिद्धांत 427-429
- पर्यावरण शिक्षा का विज्ञान 430-432
- अवधारणा प्रस्तुत करने के दृष्टिकोण 433-435
- क्रियाकलाप 436-437
- प्रयोग व्यवहारिक कार्य 438-439
- पर्यावरण शिक्षण विधियाँ 440-442
- सतत् व्यापक मूल्यांकन 443-444
- शिक्षण सहायक सामग्री 445-446
- समस्याएँ 447-447
- विविध 448-450

■ **English 573-736**

- THE SENTENCE 451-454
- PARTS OF SPEECH 455-462
- TENSE 463-463
- ARTICLES 464-464
- PUNCTUATION 464-464
- WORD FORMATION 465-466
- ACTIVE AND PASSIVE VOICE 467-468
- WORD POWER 469-477
- TRANSFORMATION 478-480
- FIGURES OF SPEECH, RHYME SCHEME AND LITERARY GENRE 481-482
- HISTORY OF ENGLISH LITERATURE 483-486
- PHONETICS TRANSCRIPTION 487-488
- FILL IN THE BLANKS 489-491
- DETERMINERS 492-492
- EDAGOGY OF LANGUAGE DEVELOPMENT 492-567
- Miscellaneous 568-572

■ **गणित 573-736**

- अंक प्रणाली, अंकों को समझना, अंकों के साथ खेलना 573-610
- पूर्ण अंक (पूर्णांक) और नकारात्मक 611-622
- अनुपात एवं समानुपात 623-625
- बीजगणित, बीजगणित का परिचय एवं संक्रियाएँ 626-648
- ज्यामिति और मूल ज्यामिति विचार (2D) 649-674
- बुनियादी आकारों को समझना (3D)–घन, घनाभ, लम्बवृत्तीय बेलन, लम्बवृत्तीय शंकु, गोला 675-685
- क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन) 686-693
- सममिति 694-696
- सांख्यिकी/आँकड़ों का संग्रह और सांख्यिकी की संक्रियाएँ 697-712
- शिक्षण और अध्यापन संबंधी मुद्दे 713-736

भाग–I

बाल विकास

01 शिक्षा एवं मनोविज्ञान

■ शिक्षा के तीन प्रमुख आधार हैं– **शिक्षक, छात्र, पाठ्यक्रम**	**REET Level-2, 24.07.2022**
■ शिक्षा मनोविज्ञान का अध्ययन अध्यापक को इसलिए करना चाहिए ताकि– **इसकी सहायता से अपने शिक्षण को अधिक प्रभावशाली बना सके**	**U TET Paper-2, 2021**
■ व्यवहारवाद के जनक थे– **जे.बी. वाटसन**	**HP TET June 2019** **HP TET (Arts) Sep. 2018** **HP TET (VI-VIII) 2013** **HP TET (I-V) 2018** **HP TET (Arts) Sep. 2017** **HP TET (Arts) Feb. 2016**
■ मनोविज्ञान का आधुनिक अर्थ है– **बर्ताव का अध्ययन**	**HP TET (Arts) Nov. 2019** **Jharkhand TET (VI-VIII) 2012**
■ वर्तमान समय में मनोविज्ञान को कहा जाता है– **व्यवहार**	**U TET Paper-2 2021**
■ ''एक स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का बसना'' परिभाषित किया है– **अरस्तू**	**Jharkhand TET (I-V) 2012**
■ अस्तित्ववाद के अनुसार शिक्षा का प्राथमिक उद्देश्य है– **एक व्यक्ति को तैयार करना जो स्वयं निर्णय लेता है**	**Jharkhand TET (I-V) 2012**
■ शिक्षा एक पुनर्गठित और पुनर्निर्मित अनुभव है जो होता है– **निरन्तर**	**Jharkhand TET (I-V) 2012**
■ 'व्यवहारवाद' अध्यापन पर बल देता है– **केवल बाह्य व्यवहार**	**HP TET June 2019** **HP TET (Arts) Sep. 2018**
■ प्रथम मनोविज्ञान प्रयोगशाला स्थापित की थी– **विलियम वुण्ट**	**HP TET (Arts) Nov. 2019** **HPTET (TGT) November, 2019** **HPTET (TGT) December, 2014** **Haryana TET (I-V) 1 Feb. 2014** **HP TET (Arts) Dec. 2014** **Bihar TET 2013 (VI-VIII)**
■ वुण्ट ने मनोविज्ञान की कार्यशाला शुरू की– **1879**	**HP TET (VI-VIII) 2013**
■ ''मनोविज्ञान, शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है'' यह परिभाषा दी थी– **स्किनर**	**HP TET (JBT) June 2021**
■ शिक्षा मनोविज्ञान सहायक है– **सर्वांगीण विकास में**	**HP TET (JBT) June 2021**
■ व्यवहार अध्ययन के लिए अत्यधिक वैज्ञानिक और वस्तुनिष्ठ विधि है– **प्रयोगात्मक विधि**	**HP TET (JBT) June 2021**
■ प्रयोगात्मक विधि का आवश्यक अवयव है– **व्यवहार का प्रेक्षण**	**HP TET (Arts) Dec. 2014**
■ चरों के बीच सम्बन्ध दर्शाने वाला कथन है– **परिकल्पना**	**HP TET (I-V) 2018**
■ मनोवैज्ञानिक प्रयोग का प्रमुख उद्देश्य होता है– **प्रभाव सम्बन्ध का कारण पता चलता है**	**HP TET (I-V) 2018**
■ ''शिक्षा मनुष्य की अंतर्निहित शक्तियों का प्रकटीकरण है'' यह कथन है– **विवेकानंद**	**HP TET (Arts) Sep. 2017**
■ व्यवहार अध्ययन की सबसे पुरानी विधि है– **अंतर्दर्शन विधि**	**HP TET (Arts) Sep. 2017**
■ Psychology (मनोविज्ञान) शब्द का सबसे पहले प्रयोग किया था– **रूडोल्फ गॉलकाय**	**HP TET (Arts) Sep. 2017**
■ Psychology शब्द की उत्पत्ति हुई है– **Psyche + Logos यूनानी भाषा के दो शब्दों से**	**HP TET (Arts) Sep. 2017**
■ आधुनिक मनोविज्ञान के जनक हैं– **विलियम जेम्स**	**HP TET (Arts) Sep. 2017**
■ 'शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षा का विज्ञान है।' – यह परिभाषा .... के द्वारा दी गई है। **ई.ए. पील**	**HP TET (Arts) Feb. 2016**

■ एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों की क्षमताओं को समझने का प्रयास कर रहा है। उसके इस उद्देश्य से संबंधित क्षेत्र है– **शैक्षिक मनोविज्ञान**	**HP TET (Arts) Feb. 2016**
■ मनोविज्ञान एवं शिक्षण शास्त्र के प्रतिच्छेद बिन्दु पर स्थित है यह अध्ययन है– **शैक्षिक मनोविज्ञान**	**H TET (I-V) 2020**
■ व्यवहार की व्याख्या में सूचना प्रक्रम को आधार बनाया गया है– **संज्ञानात्मकवाद में**	**HP TET (Arts) (I-V) 13.11.2021**
■ मानवतावाद बल देता है– **स्व को**	**HP TET (Arts) (I-V) 13.11.2021**
■ जब एक ही विषय के विकास का अध्ययन अधिक समयावधि तक किया जाता है, इस अध्ययन को कहते हैं– **अनुदैर्ध्य अध्ययन**	**H TET (I-V) 11.11.2019**
■ "शिक्षा मनोविज्ञान, मनोविज्ञान की वह शाखा है, जो शिक्षण एवं सीखने से सम्बन्धित है।" यह कथन दिया गया है– **स्किनर द्वारा**	**H TET (I-V) 11.11.2019**
■ शिक्षा मनोविज्ञान की विषयवस्तु .... मुख्य कारकों के आस-पास घूमती है। **शिक्षार्थी एवं अधिगम अनुभव, शिक्षक एवं अधिगम प्रक्रिया, अधिगम परिस्थितियाँ**	**H TET (I-V) 2017**
■ शिक्षा मनोविज्ञान का अध्ययन अध्यापक को इसलिए करना चाहिए, क्योंकि– **इसकी सहायता से अपने शिक्षण को अधिक प्रभावशाली बना सके**	**B TET (I-V) 23.07.2017**
■ एक शिक्षक को अपने विद्यार्थियों की क्षमताओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। इस उद्देश्य के साथ संबद्ध क्षेत्र है– **शिक्षा-मनोविज्ञान**	**CTET Paper -I (Class (I-V) 26 June 2011 DSSSB PRT**
■ छात्र अधिगम का वार्क (VARK) मॉडल इनके द्वारा प्रस्तावित किया गया था–**नील फ्लेमिंग**	**MP TET (VI-VIII) 24 Feb 2019 (9:30 PM)**
■ शिक्षा मनोविज्ञान का उत्पत्ति वर्ष है– **1900**	**DSSSB PRT Bihar TET 2013 (VI-VIII)**
■ शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति है– **विध्यात्मक विज्ञान**	**Hariyana TET 2011 (VI-VIII)**
■ शिक्षा मनोविज्ञान की दृष्टि से– **बच्चे अपने ज्ञान का स्वयं सृजन करते हैं**	**DSSSB PRT**
■ 1882 ई. में वह मनोवैज्ञानिक जिसने लन्दन में मानवीय विशेषताओं का अध्ययन करने के लिए प्रयोगशाला का निर्माण किया– **अल्फ्रेड बिने**	**Bihar TET Paper - II (Class VI-VIII) 2013**
■ शिक्षा मनोविज्ञान का अध्ययन अध्यापक को इसलिए करना चाहिए क्योंकि– **इसकी सहायता से अपने शिक्षण को अधिक प्रभावशाली बना सके**	**Bihar TET Paper - I (Class I-V) 2013**
■ वह शिक्षा जो मनोविज्ञान की सर्वाधिक व्यक्तिनिष्ठ विधि है– **अन्तर्दर्शन**	**UP TET Paper - II (Class VI-VIII) 15 Oct 2017**
■ शिक्षा मनोविज्ञान की एक सीमा है– **वैयक्तिक विभिन्नताओं की समस्या**	**Haryana TET Paper - I (Class I-V) 2015**
■ मनोविज्ञान का शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ा योगदान है– **बाल केन्द्रित शिक्षा**	**UP TET Paper - I (Class I-V) 2 Feb 2016**
■ शिक्षा मनोविज्ञान अधिक बल देता है– **छात्र केन्द्रित शिक्षा पर**	**H TET (I-V) 2017**
■ मनोविज्ञान .... विषय का अंग था। **दर्शनशास्त्र**	**Haryana TET Paper - II (Class (VI-VIII) 2015 Bihar TET Paper - II (Class VI-VIII) 2013**
■ पारिस्थितिक प्रणाली सिद्धांत, जो मूल रूप से उरी ब्रोफेरब्रेनर द्वारा तैयार किया गया है, चार प्रकार के नेस्टेड पर्यावरण प्रणालियों को निर्दिष्ट करता है जिन्हें कहा जाता है– **मानव पारिस्थितिकी**	**MP TET (VI-VIII) 26 Feb 2019 (9:30 AM)**
■ औपचारिक वातावरण में होने वाले अधिगम का ________ द्वारा अध्ययन किया जाता है। **शिक्षा मनोविज्ञानी**	**MP TET (VI-VIII) 18 Feb 2019 (9:30 AM)**
■ "व्यक्ति बिना किसी अंतर्निहित मानसिक प्रकरण के पैदा होते हैं, और इसलिए सभी ज्ञान अनुभव या धारणा से आते हैं।" इस धारणा को .... के रूप में संदर्भित किया जाता है। **मासूम मनः स्थिति (तबुला रास)**	**MP TET (VI-VIII) 26 Feb 2019 (9:30 AM)**

02

विकास की अवधारणा और अधिगम के साथ उसका सम्बन्ध

विकास की अवस्था तथा अधिगम से उसका संबंध	
बच्चों की लम्बाई और वजन में वृद्धि का उदाहरण है- **मात्रात्मक परिवर्तन**	**CTET (I-V) July, 2024**
ऐसे बच्चे जिन्होंने बहुत कम उम्र में गंभीर (मानव) सामाजिक अभाव का अनुभव किया है, आमतौर पर उनके विकास में देरी या बाधा उत्पन्न होती है और पुनर्वास के बावजूद विकास के कुद क्षेत्रों में सुधार अधीनस्थ होने की संभावना है। यह अवधि जिसमें विकास पर्यावरणीय समर्थन से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावति होता है- **संवेदनशील अवधि**	**CTET (I-V) July, 2024**
विकास के किस पहलू में तर्क, चिंतन और समस्या समाधान की व्याख्या है- **संज्ञानात्मक विकास**	**CTET (I-V) 21/01/2024 (Shift-I)**
I. अभिवृद्धि एवं उसकी विशेषताएँ	
■ विकास की गति एक व्यक्ति से दूसरे में भिन्न होती है, किन्तु यह एक .... नमूने का अनुगमन करती है। **क्रमबद्ध और व्यवस्थित**	**DSSSB PRT** **C TET - 2016 (I-V)**
■ शारीरिक अंगों अथवा संपूर्ण जीव की बढ़ोत्तरी को कहते हैं– **संवृद्धि**	**U TET Paper-2 2021**
■ बच्चे की वृद्धि मुख्यतः सम्बन्धित है– **शारीरिक विकास से**	**UP TET (I-V) 8 Jan. 2020** **CG TET (I-V) 2017**
■ शारीरिक वृद्धि और विकास को कहते हैं– **अभिवृद्धि**	**UP TET Paper - I (Class I-V) 23 Feb 2014**
■ बच्चों की वृद्धि और विकास की अवधारणा में है– **वृद्धि केवल जैविक और भौतिक परिवर्तन को संदर्भित करता है लेकिन विकास मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक परिवर्तनों को संदर्भित करता है, वृद्धि स्थिर है किन्तु विकास एक सतत् प्रक्रिया है**	**CTET (I-V) 27.12.2021** **Assam TET (I-V) 10.11.2019** **Haryana TET (I-V) 2015**
II. विकास का अर्थ एवं विशेषताएँ	
■ विकास के प्रत्येक चरण के लिए सामाजिक अपेक्षा को कहा जाता है– **विकासात्मक कार्य**	**CTET (VI-VIII) 03.01.2022**
■ बाल विकास में___________ से ___________तक होने वाली वृद्धि व बदलाव का अध्ययन किया जाता है। **गर्भधारण; किशोरावस्था**	**CTET (VI-VIII) 12.01.2022**
■ विकास .... से .... की ओर बढ़ता है। **सामान्य – विशिष्ट**	**REET Level-1 23.07.2022** **HP TET (I-V) 21 Nov. 2021**
■ .... तब होता या होती है, जब परिपक्वता और अनुभव के कारण मनुष्य में क्रमबद्ध और प्रगतिशील परिवर्तन होते हैं– **विकास**	**REET Level-1 23.07.2022**
■ व्यक्ति के विकास की प्रक्रिया के बारे में सही कथन है– **विकास की प्रकिया में सांस्कृतिक विविधताएँ होती हैं**	**CTET (I-V) 16.01.2022**
■ ''विकास के परिणामस्वरूप नवीन विशेषताएँ और नवीन योग्यताएं प्रकट होती हैं'' यह कथन दिया है– **हरलॉक**	**UP TET (I-V) 23.01.2022 (Re-exam)**
■ 'विकास' शब्द में .... निहित है। **दोनों संरचनात्मक तथा प्रक्रियात्मक बदलाव**	**HP TET (Arts) Feb. 2016**
■ विकास के विषय में सही वक्तव्य है– **विकास परिवर्तनीय है**	**CTET (I-V) 24.12.2021** **CTET (I-V) 21.12.2021** **HP TET (I-V) 2018**
■ विकासात्मक परिवर्तन– **वंशानुगत कारकों और पर्यावरणीय प्रभावों की परस्पर क्रिया है**	**CTET (I-V) 08.01.2022**

■ विकास में वृद्धि से तात्पर्य है– **आकार, सोच, समझ कौशलों में वृद्धि**	**HP TET (Arts) Nov. 2019 HPTET (TGT) November, 2019 CG TET Paper - I (Class I-V) 2011**
■ विकास के व्यापक आयामों की सही पहचानकर्ता है– **शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक और संवेगात्मक**	**C TET (I-V) 7 Jul. 2019 CTET (I-V) 29 Jan. 2012**
■ बाल विकास में गुणात्मक परिवर्तन की पहचान है– **दृष्टि**	**MP TET (VI-VIII) 28 Feb 2019 (9:30 AM)**
III. परिपक्वता का अर्थ एवं अधिगम से सम्बन्ध	
■ यौन परिपक्वता में महत्वपूर्ण हाथ है– **पीयूष ग्रंथि का**	**Bihar TET Paper - II (Class VI-VIII) 2013**
■ .... महीने की परिपक्वता में बच्चा पहला कदम चलने लगता है। **10 से 12**	**HP TET (VI-VIII) Sep. 2016**
■ एक व्यक्ति, मांसपेशियों का उपयोग करना सीखता है और इसके कारण एक कौशल प्राप्त करता है– **परिपक्वता**	**MP TET (VI-VIII) 24 Feb 2019 (9:30 AM)**
■ एक शिक्षार्थी की परिपक्वता का सबसे अच्छा वर्णन करता है– **यह व्यक्तिगत विकास की एक सतत् प्रक्रिया है**	**MP TET (VI-VIII) 24 Feb 2019 (9:30 AM)**
■ आनुवंशिक विन्यास के पूर्वनिर्धारित रूप से प्रकट होने की प्रक्रिया कहलाती है– **परिपक्वता**	**CTET (I-V) 01.01.2022 H TET (I-V) 2017**
■ .... विशेषता परिपक्वता को अधिगम से अलग करती है। **यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है,**	**MP TET (VI-VIII) 26 Feb. 2019 Rajsthan TET Paper -I (Class (I-V) 2012 Rajsthan TET (VI-VIII) 2012 CG TET (I-V) 2011**
■ परिपक्व विद्यार्थी– **अपनी बौद्धिकता के साथ अपने सभी प्रकार के द्वन्द्वों का शीघ्र समाधान कर लेते हैं**	**DSSB PRT CTET (I-V) 16-02-2014**
■ सामान्य परिपक्वन से पहले प्रशिक्षित करना प्रायः– **लाभकारी हो या हानिकारक, यह इस पर निर्भर करता है कि प्रशिक्षण में किस प्रकार की विधि का प्रयोग किया गया है**	**Rajsthan TET Paper -I (Class (I-V) 31 July 2011**
■ विकास का वही सम्बन्ध परिपक्वता से है जो उद्दीपन का.........से। **प्रतिक्रिया**	**UP TET Paper - I (Class I-V) 27 June 2013**
IV. विकास को प्रभावित करने वाले कारक (परिवार, समुदाय, विद्यालय, संचार माध्यम)	
■ विकास निर्भर है– **आनुवंशिक बनावट, भौतिक वातावरण, सामाजिक-सांस्कृतिक कारक**	**CTET (I-V) 07.01.2022 CG TET (I-V) 09.01.2022**
■ विकास के लिये उचित है– **'सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ' विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है**	**DSSSB PRT C TET Paper - I (Class I-V) 21 Feb 2016**
■ पालन पोषण की प्राधिकारिक शैली आधारित है– **जब संभव हो तब बच्चे के साथ साझेदारी में निर्णय लेना**	**CTET (VI-VIII) 20.12.2021**
■ बच्चों के व्यक्तित्व के सौहार्दपूर्ण विकास के लिये माता–पिता को चाहिये– **घर में अनुकूल वातावरण प्रदान करना**	**CG TET (VI-VIII) 09.01.2022 UK TET (I-V) 14.12.2018**
■ विकास प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली प्रमुख ग्रन्थि है– **पीयूष**	**HP TET (Arts) (I-V) 13.11.2021 Bihar TET (VI-VIII) 2011 DSSSB PRT UP Assistant Teacher (I-V) 6 Jan. 2019**
वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारक हैं– **आनुवंशिकता, भौतिक दशाएं, सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशाएं**	**CG TET (I-V) 09.01.2022**
■ खेल युवा,बच्चों के विकासमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि- **यह समय बिताने का एक सुखद तरीका है।**	**C TET (I-V) 9 Dec. 2018**

■ आजकल अधिकतर विद्यालयों में सम्भागी समूह के लिए प्राथमिक ध्यान आधारित होता है– **आयु स्तर पर**	**Haryana TET Paper - I (Class (I-V) 2013**
■ बालक की प्रथम पाठशाला है– **परिवार**	**Bihar TET Paper - I (Class I-V) 2013** **Rajasthan TET (VI-VIII) 2012** **MP TET (I-V) 2011**
■ निर्धन परिवारों के बच्चे जो छोटे आकार के परिवार से सम्बद्ध हैं उनको विकास के बेहतर वातावरण पाने के मौके होते हैं क्योंकि उन्हें बड़े परिवारों के निर्धन बच्चों की अपेक्षा– **बेहतर परिस्थितियां प्राप्त होती हैं**	**MP TET Paper - I (Class I-V) 2011**
■ .... के अतिरिक्त सभी वातावरणीय कारक विकास को आकार देते हैं। **शारीरिक गठन**	**DSSSB PRT** **C TET-2012 (VI-VIII)**
■ .... कथन बच्चे के विकास में परिवेश की भूमिका का समर्थन करता है। **पिछली कुछ शताब्दियों में बुद्धि लब्धांक परीक्षा में शिक्षार्थियों के औसत प्रदर्शन में लगातार वृद्धि हुई है**	**C TET Paper -II (Class (VI-VIII) 28 July 2013**
V. विकास की अवस्थाएँ	
■ बच्चों में लिंग पहचान स्थापित होती है– **2 वर्ष से**	**H TET (I-V) 11.11.2019**
■ 'विकासात्मक कार्य' प्रचलित किया था– **हैविगहर्स्ट**	**HP TET (Arts) Nov. 2019**
■ मानव विकास का सही क्रम है– **शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, प्रौढ़ावस्था**	**Haryana TET Paper - I (Class I-V) 1 Feb 2014** **DSSSB PRT** **C TET -2015 (I-V)**
■ जन्मोत्तर (जन्म के बाद की) विकास की दूसरी प्रमुख अवस्था है– **बाल्यावस्था**	**Bihar TET Paper - II (Class VI-VIII) 2013**
■ शैशवावस्था होती है- **पाँच वर्ष तक**	**CG TET Paper - I (Class VI-VIII) 2014**
■ बाल्यावस्था अवस्था होती है– **बारह वर्ष तक**	**CG TET Paper - I (Class I-V) 2011** **Haryana TET Paper - I (Class I-V) 2015**
■ मध्य–बचपन अवधि है– **6 वर्ष से 11 वर्ष**	**DSSSB PRT** **C TET-2016 (VI-VIII)**
■ प्रारंभिक बचपन की आयु माना जाता है– **2 से 6**	**MP TET (VI-VIII) 26 Feb 2019 (9:30 AM)**
■ आयु समूह परवर्ती बाल्यावस्था श्रेणी के अन्तर्गत आता है– **6 से 11 वर्ष**	**C TET Paper - I (Class I-V) 22 Feb 2015** DSSSB PRT
VI. गर्भावस्था की विशेषताएँ	
■ गर्भधारण से लेकर जन्म तक की अवस्था को कहा जाता है– **प्रसवपूर्व**	**UK TET (I-V) 06.11.2019** **MP TET (I-V) 2011**
■ पैदा होने से पहले का विकास मुख्यतौर पर बांटा है– **जीवाणु, भ्रूण अवस्था, भ्रूणीय अवस्था**	**HP TET (JBT) June 2021**
■ जन्मपूर्व विकास का सही क्रम है– **युग्मनज, भ्रूण, गर्भस्थ शिशु**	**CG TET (I-V) 2016**
■ विकास शुरू होता है– **पूर्व प्रसव अवस्था**	**UP TET (I-V) 8 Jan. 2020** **DSSSB ASSISTANT NURSERY TEACHER** **C TET-2012 (VI-VIII)**
■ गर्भस्थ शिशु में संवेदनशीलता का विकास प्रारंभ होता है– **सिर से**	**Bihar TET Paper - II (Class VI-VIII) 2013**
■ गर्भ में बालक को विकसित होने में कुल दिन लगते हैं– **280**	**DSSSB PRT** **Bihar TET 2011 (I-V)**
VII. शैशवावस्था की विशेषताएँ	
■ 6 या 7 वर्ष का बालक दूसरों के विचारों को स्वीकार करने के योग्य नहीं होता, क्योंकि– **वह अहम् केन्द्रित होता है**	**Haryana TET Paper -I (Class (I-V) 2011**
■ दो वर्ष की समाप्ति पर एक शिशु का शब्द ज्ञान होता है– **150 शब्द**	**HP TET (Arts) Feb. 2013**

■ अनुकरण की प्रक्रिया में सर्वप्रथम शिशु अनुकरण करता है– **स्वर वर्णों का**	**B TET (I-V) 23.07.2017**
■ नर्सरी कक्षा में शुरूआत करने के लिए सबसे अच्छी विषयवस्तु है– **मेरा परिवार**	**DSSSB PRT UKTET-2014 (I-V) C TET- 2012 (I-V)**
■ एक बच्चा ईर्ष्या का प्रदर्शन करता है– **18 माह की आयु में**	**Haryana TET Paper -I (Class (I-V) 2011**
■ शिशुओं के मस्तिष्क को 'खाली स्लेट' माना था– **जॉन लॉक**	**H TET (I-V) 2020**
■ नवजात शिशु का भार होता है– **7 पाउण्ड**	**Bihar TET Paper - I (Class I-V) 2011 DSSSB PRT**
■ ''गाल को छूने पर सिर को घुमाना एवं मुख खोलना'' नवजात शिशुओं में उपस्थित .... प्रकार के प्रतिवर्त के अन्तर्गत आता है। **रूटिंग**	**U TET Paper-2 2021**
■ बच्चे तकरीबन इस आयु से सहकर्मी समूह प्रभाव का अनुभव करना शुरू कर देते हैं–**तीन वर्ष**	**MP TET (VI-VIII) 26 Feb 2019 (9:30 AM)**
■ विकास का वह चरण जब कोई जीव सबसे तेजी से किसी विशेष कौशल या विशेषता को प्राप्त कर सकता है, कहलाता है– **संवेदनशील अवधि**	**CTET (VI-VIII) 24.12.2021**
■ बच्चों के विकास के संदर्भ में 'संवेदनशील चरण' से तात्पर्य है– **किसी व्यक्ति में विशिष्ट क्षमताओं के उत्थान का इष्टतम चरण**	**CTET (I-V) 27.12.2021**
■ ...., उस विशिष्ट समय को कहा जाता है जब बच्चे उनके वातावरण में ख़ास प्रकार से उद्दीपन के प्रति विशेष रूप से ग्रहणक्षम होते हैं। **संवेदनशील अवधि**	**CTET (VI-VIII) 17.01.2022**
■ शारीरिक विकास किस स्तर पर तेजी से होता है– **शैशवावस्था में**	**UK TET (I-V) 14.12.2018 DSSSB PRT**
■ बच्चों में आदत विकसित होती है– **जन्म से**	**Jharkhand TET (VI-VIII) 2016**
■ मनोभाव विकसित होता है– **शैशव काल में**	**Jharkhand TET (I-V) 2012**
■ बालक को शिशु कहे जाने की आयु होती है– **जन्म से तीन वर्ष तक**	**HP TET (Arts) Nov. 2019**
■ पूर्व-प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करने के लिए उपयुक्त आयु है– **2-6 वर्ष**	**HP TET (Arts) Feb. 2013**
■ शैशवावस्था को सीखने का आदर्श काल कहा है– **वेलेन्टाइन**	**HP TET (Arts) Dec. 2014**
■ बच्चों में सबसे अधिक पाये जाने वाला स्वभाव है– **अनुकरण करने का**	**CG TET (VI-VIII) 09.01.2022**
■ बाल विकास की अवस्था जिसको भाषा सीखने की सर्वोत्तम अवस्था कहा जाता है– **शैशवावस्था**	**CG TET (I-V) 09.01.2022**
■ .... में शब्दों को दोहराने की प्रवृत्ति विशेष रूप से पाई जाती है। **शैशवास्था**	**CG TET (I-V) 2017**
■ नवजात शिशु की सांवेदिक क्षमताओं पर किये गये शोध बताते हैं कि– **नवजात शिशु कई चीजें कर सकता है जैसे आवाज, रंग व गंध को पहचानना**	**CG TET (I-V) 2016**
■ शैशवावस्था मानव विकास की......... प्रमुख अवस्था है। **प्रथम**	**Bihar TET Paper-I (Class I-V) 2013 B TET (I-V) 23.07.2017**
■ शैशवावस्था में बच्चों के क्रिया-कलाप .... होते हैं। **मूलप्रवृत्यात्मक**	**UP TET Paper - I (Class I-V) 27 June 2013 UP TET-2016 (I-V)**
■ स्व-केन्द्रित अवस्था होती है बालक के– **3 से 6 वर्ष तक**	**UP TET Paper - I (Class I-V) 27 June 2013**
■ शिशु .... की उम्र तक अजनबियों से झिझकना या शर्माना विकसित करते हैं। **छह महीने**	**MP TET (VI-VIII) 21 Feb 2019 (2:30 PM)**
■ प्रारंभिक अवस्था में शिशु अत्यधिक............ होते हैं। **स्वकेन्द्रित**	**MP TET (VI-VIII) 17 Feb 2019 (2:30 PM)**

VIII. बाल्यावस्था की विशेषताएँ

■ विकास का एक अधिनियम है कि विकास प्रतिमान के विभिन्न काल में खुशी भिन्न-भिन्न होती है। इस अधिनियम के अनुसार– **जीवन का प्रथम वर्ष सबसे अधिक खुशी का एवं वयः सन्धि काल सबसे अधिक दु:खी काल होता है**	**Rajsthan TET Paper -II (Class (VI-VIII) 2012**
■ 6-11 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों की आवश्यकता है– **कक्षा-कक्ष में प्रजातांत्रिक वातावरण की सीखने में स्वायत्तता की क्रिया आधारित, अन्तर्क्रियात्मक अधिगम की**	**Haryana TET Paper -I (Class (I-V) 2011**

■ बच्चे का सामाजिक विकास वास्तव में प्रारम्भ होता है– **उत्तर बाल्यावस्था में**	Hariyana TET Paper -I (Class (I-V) 2011
■ माँ-बाप के साये से बाहर निकल अपने साथी बालकों की संगत को पसन्द करना सम्बन्धित है– **उत्तर बाल्यावस्था से**	UP TET Paper - I (Class I-V) 27 June 2013
■ उत्तर बाल्यावस्था को और भी नाम से जाना जाता है– **गिरोहावस्था**	HP TET (Arts) Sep. 2018
■ बेहतर एथलेटिक (शारीरिक) क्षमताएँ, नियमों के साथ खेलों में भागीदारी, तार्किक विचार प्रक्रियाएँ जो ठोस अनुभवों के आसपास केन्द्रित होती हैं, ये .... अवधि के लक्षण हैं। **मध्य बचपन**	CTET (VI-VIII) 04.01.2022
■ बाल्यावस्था से अभिप्राय है– **यह एक सामाजिक संरचना है**	CTET (VI-VIII) 06.01.2022
■ वह अवस्था जिसमें बच्चे अपने समवयस्क समूह के सक्रिय सदस्य हो जाते हैं– **बाल्यावस्था**	DSSSB PRT C TET 2011 (I-V) UP TET 2011 (VI-VIII)
■ बाल्यावस्था की अवधारणा से अभिप्राय है– **समकालीन सामाजिक-संरचनावादी मनोवैज्ञानिकों के अनुसार यह एक सामाजिक संरचना है**	C TET (VI-VIII) 8 Dec. 2019
■ बच्चों का द्वितीयक सामाजीकरण............... में प्रारंभ हो जाता है जब वह स्कूल जैसे औपचारिक संस्थानों में जाना शुरू कर देते हैं। **पारंपरिक बाल्यावस्था**	CTET (VI-VIII) 17.01.2022
■ राघव जब शिशु था तब उसे माता-पिता के स्नेह से वंचित रहना पड़ा। बाल्यावस्था के आगे के चरण में उसे बहुत संवेदनशील अध्यापक मिले। फिर भी उसे लोगों पर विश्वास करने में परेशानी होती है और वह जोखिम लेने का साहस नही दिखा पाता। राघव के विषय में विकास का जो मुद्दा एकदम स्पष्ट रूप से वर्णित होता है– **आरंभिक-बाद के अनुभवों का मुद्दा**	CTET (I-V) 29.12.2021
■ भाषा अर्जन के सन्दर्भ में संवेदनशील चरण है– **प्रारंभिक बाल्यावस्था**	CTET (I-V) 03.01.2022 CTET (I-V) 10.01.2022
■ खिलौनों की आयु ....को कहा जाता है। **पूर्व बाल्यावस्था को**	HP TET (Arts) Nov. 2019
■ वह अवस्था जिसमें प्रतीकात्मक खेल बढ़ता है तथा संज्ञानात्मक विकास को समर्थन देता है– **प्रारंभिक बाल्यावस्था**	CTET (I-V) 07.01.2022
■ आरम्भिक बाल्यकाल का आयु समूह काल होता है– **2 से 6 वर्ष**	H TET (I-V) 11.11.2019
■ 2 वर्ष से 6 वर्ष की अवधि को कहा जाता है– **प्रारम्भिक बचपन**	CTET (I-V) 04.01.2022
■ वह बच्चा जो मध्य बाल्यावस्था में होगा– **एक बच्चा जिसने नियमों के अर्थ की समझ विकसित कर ली है और तर्क कर सकता है**	CTET (I-V) 05.01.2022
■ वह अवस्था जिसमें शारीरिक, मानसिक और व्यक्तित्व का मूलभूत विकास होता है–**बाल्यकाल**	HP TET (Arts) Sep. 2017
■ बच्ची जो मध्य बाल्यावस्था में होगी– **एक बच्ची जो तार्किक रूप से तर्क कर सकती है और संरक्षण कर पाती है**	CTET (I-V) 08.01.2022
■ 'मध्य बाल्यावस्था' की विशेषता है– **बच्चे तार्किक एवं मूर्त रूप से सोचना प्रारंभ कर देते हैं**	C TET (VI-VIII) 8 Dec. 2019
■ लज्जा एवं गर्व का भाव .... में विकसित होता है। **बाल्यावस्था**	Jharkhand TET (VI-VIII) 2016 HP TET (Arts) Feb. 2013
■ एक बच्चे में रचनात्मक (Constructive) विकास प्रारम्भ होता है– **बाल्यावस्था के दौरान**	Jharkhand TET (I-V) 2012
■ बालक द्वारा लम्बे समय तक रोने पर भी पिता द्वारा खिलौना न देने का परिणाम होगा– **प्रतिगमन**	HP TET (I-V) 2018
■ बालक की वह अवस्था जिसमें हंसता कम है और मुस्कुराता ज्यादा है जिसका अर्थ है कि अपने संवेगों को नियंत्रित करना सीख जाता है– **उत्तर बाल्यकाल**	HP TET (Arts) Sep. 2017
■ बाल्यावस्था का लक्षण है– **सामाजिक संकल्पना**	H TET (I-V) 2017
■ उत्तर बाल्यावस्था में बालक भौतिक वस्तुओं के किस तत्व में परिवर्तन को समझने लगते हैं– **द्रव्यमान, संख्या और क्षेत्र**	CG TET (I-V) 2017 CG TET (I-V) 2016
■ रॉस के अनुसार विकास की वह अवस्था जिसको 'मिथ्या परिपक्वता काल' कहा गया है– **बाल्यावस्था**	H TET (I-V) 11.11.2019
■ 'मूर्त परिस्थितियों के माध्यम से समझने लग जाना .... अवस्था से संबंधित है। **बाल्यावस्था में बौद्धिक विकास**	CG TET (I-V) 09.01.2022

■ 6-11 वर्ष आयु वर्ग के बालकों की विशेषताएँ हैं– **बालक सीखने में रुचि नहीं रखते हैं**	**Haryana TET Paper -I (Class (I-V) 2011**
■ एक प्रसामान्य 12 वर्ष की आयु के बच्चे में सबसे अधिक होना सम्भव है– **समकक्षी के अनुमोदन के लिए बेचैनी**	**UP TET Paper - II (Class VI-VIII) 13 Nov 2011**
IX. किशोरावस्था की विशेषताएँ	
■ अर्नेस्ट जोन्स के अनुसार, किशोरावस्था की आयुसीमा है– **12 साल से 18 साल**	**Assam TET (VI-VIII) 10.11.2019**
■ किशोर काल में किसी एक शिशु को ....का सामना करना पड़ता है। **यौन संबंधी समस्याएं, मानसिक संकट की समस्या, अपराध प्रवणता की समस्या, सामाजिक समायोजन की समस्या, आत्मनिर्भरता की समस्या**	**Assam TET (VI-VIII) 10.11.2019**
■ वे गणितीय प्रश्न जो परिकल्पना परिस्थितियों से संबंधित हैं और बीजगणितीय कथन आलेखित करते हैं, प्रारंभिक पाठ्चर्या का एक भाग हैं। इस विचार का आधार है कि किशोरावस्था के छात्र .... कार्य करने में सक्षम हैं– **अमूर्त चिंतन**	**CTET (VI-VIII) 30.12.2021**
■ वह अवधि जिसके दौरान विचार अमूर्त और आदर्शवादी हो जाता है– **किशोरावस्था**	**CTET (VI-VIII) 01.01.2022**
■ किशोरावस्था की विशेषताओं को सर्वोत्तम रूप से व्यक्त करने वाला एक शब्द है– **परिवर्तन**	**CG TET (I-V) 2017**
■ विकास की अवस्था जिसमें स्वतंत्रता की स्थापना, अस्मिता का विकास और अमूर्त चिंतन की अवस्था का लक्षण है– **किशोरावस्था**	**CTET (VI-VIII) 31.12.2021**
■ विकास की वह अवधि, जब आत्मसात मानकों पर प्रश्न उठाया जाता है और अक्सर परिवार की तुलना में साथियों की राय बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है– **किशोरावस्था**	**CTET (VI-VIII) 31.12.2021**
■ विकास के चरण जिसमें बहुत से हार्मोन संबंधी परिवर्तन होते हैं तथा अपनी पहचान की सक्रिय खोज पर बल होता है– **किशोरावस्था**	**CTET (VI-VIII) 30.12.2021**
■ जीवन की वह अवस्था जिसका प्रारंभ यौवनारंभ से होता है जब यौन परिपक्वता या प्रजनन करने की योग्यता प्राप्त कर ली जाती है, साधारणतया कहलाती है– **किशोरावस्था**	**U TET (I-V) 2021**
■ जीवन का वह काल जब शरीर में प्रजनन परिपक्वता संबंधी परिवर्तन होता है, कहलाता है– **किशोरावस्था**	**CG TET (I-V) 2016**
■ बच्चे के विकास का वह चरण जिसके दौरान सृजनात्मकता और कल्पना शक्ति अत्यधिक प्रबल होती है– **प्रारंभिक किशोरावस्था (14-18)**	**Jharkhand TET (VI-VIII) 2012**
■ किशोरावस्था/टीन की उम्र होती है– **13-18 वर्ष**	**Jharkhand TET (VI-VIII) 2012** **HP TET (Arts) Nov. 2019**
■ किशोरावस्था के दौरान कई प्रकार के तनाव और चिन्ताएँ होती हैं। शिक्षकों को चाहिए– **सहानुभूतिशील होना और सतर्कतापूर्ण व्यवहार से आगे बढ़ना**	**Jharkhand TET (I-V) 2012**
■ ऊँची भावुकता, उत्साह और अवसाद की अवधि, भावनाओं के निर्माण और मनोदशाओं के रूप में जाना जाता है– **किशोरावस्था**	**HP TET June 2019**
■ सभी किशोर .... का अनुभव कर सकते हैं। **दुश्चिंता और स्वयं से सरोकार**	**HP TET June 2019**
■ 'Adolescence' (किशोरावस्था) एक यूनानी शब्द 'adolescere' से बना है, जिसका सबसे उचित अर्थ है– **परिपक्व विकास**	**HP TET (Arts) Feb. 2013**
■ पहचान निर्माण किया जाता है– **किशोरावस्था में**	**HP TET (Arts) (I-V) 13.11.2021**
■ कक्षा शिक्षण-अधिगम अंतः क्रियाओं को सुधारने हेतु .... रणनीति उत्तर किशोरावस्था के विकास से संबंधित है। **विचारों के मुक्त आदान-प्रदान के साथ आदर्शीकरण**	**CG TET (I-V) 09.01.2022**
■ किशोर जोखिमपूर्ण व्यवहारों में भाग ले सकते हैं क्योंकि वे– **अपनी किसी भी गतिविधियों के बारे में तार्किक रूप से सोच नहीं पाते**	**CG TET (I-V) 2017**
■ वह अवस्था जिसमें शारीरिक, मानसिक एवं संवेगात्मक परिवर्तन शीघ्र होते हैं– **किशोरावस्था**	**CG TET (I-V) 2016**
■ पद 'संवेगात्मक क्रान्ति' जिस अवस्था से अधिक जुड़ा हुआ है– **किशोरावस्था से**	**Hariyana TET Paper - II (Class VI-VIII) 1 Feb 2014**
■ वह अवधि जो वयस्कता के संक्रमण की पहल करती है, उसे कहते हैं– **किशोरावस्था**	**C TET (I-V) 7 Jul. 2019**
■ बाल विकास का वह चरण जिसमें विपरीत लिंग की ओर अधिकतम आकर्षण दिखता है– **किशोरावस्था**	**(DSSSB ASSISTANT TEACHER EDUCATION DEP.)**

■ विकास की वह अवस्था जिसे 'तनाव एवं तूफान की अवस्था' कही जाती है– **किशोरावस्था**	**Haryana TET Paper-II (Class V I-VIII) 2013 H TET (VI-VIII) 2015 HP TET Nov. 2019 CG TET (I-V) 2011 UP TET (VI-VIII) 27 June 2013**
■ 'किशोरावस्था' है एक ''तूफान और पीड़न'' (Storm and stress) काल–इस कथन को कहा था– **स्टेनले हॉल**	**Assam TET (VI-VIII) 10.11.2019**
■ वीर पूजा की भावना जाग्रत होती है– **किशोरावस्था में**	**Bihar TET Paper - II (Class VI-VIII) 2013**
■ शारीरिक एवं मानसिक परिपक्वता प्राप्त व्यक्तियों को कहा जाता है– **किशोर**	**Bihar TET Paper - II (Class VI-VIII) 2013**
■ एक 13 वर्षीय बालक बात-बात में अपने बड़ों से झगड़ा करने लगता है और हमेशा स्वयं को सही साबित करने की कोशिश करता है। यह अवस्था कहलाती है– **किशोरावस्था**	**CG TET Paper - II (Class VI-VIII) 2011 Jharkhand TET (I-V)**
■ सहपाठियों का दबाव जब सबसे अधिक प्रभाव डालता है, वह है– **उत्तर किशोरावस्था**	**Haryana TET Paper -II (Class (VI-VIII) 2015**
■ किशोरावस्था में बच्चे समस्या का सामना करते हैं– **शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन से समायोजन करना**	**DSSSB PRT UKTET-2013 (VI-VIII)**
■ हॉल का सिद्धांत व्याख्या करता है– **किशोरावस्था का विकास**	**UP TET Paper - I (Class I-V) 19 Dec 2016**
■ 'विद्रोह की भावना' की प्रवृत्ति ....से सम्बन्धित है। **पूर्व किशोरावस्था**	**UP TET Paper - I (Class I-V) 15 Oct 2017**
■ 14 वर्षीय देविका अपने–आप से पृथक् स्वनियंत्रित व्यक्ति की भावना को विकसित करने का प्रयास कर रही है। वह विकसित कर रही है– **स्वायत्तता**	**DSSSB PRT C TET-2014 (I-V) Haryana TET Paper-II (Class VI-VIII) 2015**
■ किशोरावस्था में संवेगों की तीव्रता प्रकट होती है– **प्रतिकूल पारिवारिक सम्बन्ध, व्यवसाय की समस्या, नई परिस्थिति के साथ समायोजन**	**UP TET Paper - I (Class VI-VIII) 23 Feb 2014**
■ पूर्वाग्रही किशोर/किशोरी अपनी .... के प्रति कठोर होंगे। **समस्या**	**UP TET Paper - I (Class I-V) 27 June 2013**
■ समान-लिंग मित्रता.......... के दौरान प्रबलित होती है। **प्रारंभिक किशोरावस्था**	**MP TET (VI-VIII) 16 Feb 2019 (9:30 AM)**
■ एक व्यक्ति .... के दौरान पौरूष या स्त्रैण सामाजिक भूमिका प्राप्त करता है। **किशोरावस्था**	**MP TET (VI-VIII) 26 Feb 2019 (9:30 AM)**
■ उचित यौन शिक्षा. .... पर प्रदान की जानी चाहिए। **किशोरावस्था**	**MP TET (VI-VIII) 24 Feb 2019 (9:30 AM)**

X. शारीरिक विकास

■ बच्चों का/के शारीरिक विकास– **एक व्यवस्थित और अनुक्रमिक तरीके से होता है, लेकिन अलग-अलग बच्चों के विकास की दर अलग-अलग होती है**	**CTET (VI-VIII) 10.01.2022**
■ शारीरिक विकास का एक प्रमुख नियम है– **द्रुतगामी विकास का नियम**	**UP TET (I-V) 23.01.2022 (Reexam)**
■ शारीरिक विकास को प्रभावित करने वाला कारक है– **वातावरण, वंशानुक्रम, खेल तथा व्यायाम**	**UP TET Paper-II (Class VI-VIII) 15 Oct., 2017**
■ अन्तःस्रावी ग्रन्थियों को .... भी कहा जाता है। **नलिका विहीन ग्रन्थियां**	**HP TET (VI-VIII) Sep. 2016**
■ 'होम्योस्टेसिस' शब्द दिया था– **कैनन**	**HP TET (Arts) Nov. 2019 HP TET Feb 2016 HP TET June, 2019**
■ बच्चों के शारीरिक विकास को प्रभावित करता है– **भौगोलिक वातावरण, पौष्टिक भोजन, अन्तःस्रावी ग्रंथियाँ**	**H TET PRT (I-V) 19.12.2021**
■ शारीरिक विकास का क्षेत्र है– **स्नायुमण्डल, माँसपेशियों की वृद्धि, एन्डोक्राइन ग्लैण्ड्स**	**CG TET (VI-VIII) 2017**
■ 'समानान्तर खेल' है– **अलग-अलग खेलना**	**H TET (I-V) 2017**
■ जब एक कीमोथेरापी पर चल रहे मरीज को अस्पताल को देखते ही उल्टी जैसा लगे तब अस्पताल .... हो गया है। **सी.एस.**	**CG TET (I-V) 2017**
■ एम.आर.आई. .... की एक प्रक्रिया है। **तंत्रिका प्रतिबिम्ब**	**CG TET (I-V) 2017**

■ वह अवधि जिसमें शारीरिक वृद्धि एवं विकास तीव्र गति से घटित होता है– **शैशवावस्था एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था**	**C TET (I-V) 8 Dec. 2019**
■ सामान्यतया लड़के और लड़कियों में शारीरिक विकास की, विशेषता प्रेक्षित की जाती है– **लड़कियाँ शारीरिक विकास में दो-तीन वर्ष आगे होती है**	**Haryana TET Paper -II (Class (VI-VIII) 2015**
■ वेटलिफ्टर (पहलवानों) को आमतौर पर मांसपेशियों और शरीर को पुष्ट बनाना होता है उन्हें आहार में लेना चाहिए– **प्रोटीन**	**DSSSB ASSISTANT NURSERY TEACHER**
■ मास्टर ग्रंथि के नाम से जाना जाता है– **पीयूष ग्रंथि**	**Bihar TET Paper - I (Class I-V) 2013 B TET 23.07.2017 HP TET (VI-VIII) Sep. 2016 UP TET (VI-VIII) 2013 HP TET (VI-VIII) 2013**
■ शरीर के आकार में वृद्धि होती है– **शारीरिक और गत्यात्मक विकास के कारण**	**CG TET Paper - I (Class I-V) 2011**
■ शारीरिक विकास का एक प्रमुख नियम है– **अनियमित विकास का नियम**	**UP TET Paper - I (Class I-V) 15 Oct 2017**
■ 'बच्चे के उचित विकास को सुनिश्चित करने के लिए उसका स्वस्थ शारीरिक विकास एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।' यह कथन सही है, क्योंकि– **शारीरिक विकास, विकास के अन्य पक्षों के साथ अंतःसम्बन्धित है**	**C TET Paper -II (Class (VI-VIII) 26 June 2011**
■ बच्चें में शारीरिक विकास जिस आयु सीमा में धीमा हो जाता है– **5–6 वर्ष**	**MP TET (VI-VIII) 26 Feb 2019 (9:30 AM)**
■ मानव शरीर में सबसे छोटी हड्डी यानि स्टेपीज कान के ....होती है। **बीच में**	**MP TET (VI-VIII) 17 Feb 2019 (9:30 AM)**
■ वृद्धि और विकास का प्रथम चरण है– **शारीरिक विकास**	**UP TET (VI-VIII) 18 November, 2018**
■ केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र में होते हैं– **मस्तिष्क तथा मेरुदण्ड**	**UP TET Paper - I (Class VI-VIII) 19 Dec 2016**
XI. गत्यात्मक विकास	
■ तीसरी कक्षा के विद्यार्थियों के स्तर के अनुकूल सूक्ष्म गतिक कौशल का उदाहरण है– **एक धागे में मोती पिरोना**	**CTET (I-V) 31.12.2021**
■ गत्यात्मक और संज्ञानात्मक विकास .... होता है। **सम्पूर्ण जीवनकाल के दौरान**	**CTET (I-V) 23.12.2021**
■ सूक्ष्म क्रियात्मक कौशल नहीं है– **कूदना**	**CTET (I-V) 05.01.2022 CTET (I-V) 27.12.2021 DSSSB PRT C TET- 2012 (I-V) UKTET-2014 (I-V) HP TET (I-V) 2018 CG TET (I-V) 2016**
■ स्थूल कौशल के उपयोग का एक उदाहरण है– **एक पैर पर संतुलन करना**	**CTET (I-V) 04.01.2022**
■ ....स्थूल गत्यात्मक चालन कौशल का उदाहरण है जबकि ....में सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल की आवश्यकता होती है। **भागना, चित्र बनाना**	**CTET (I-V) 08.01.2022**
■ उत्कृष्ट मोटर कौशल का एक उदाहरण है– **लिखना**	**MP TET (VI-VIII) 21 Feb 2019 (9:30 AM)**
■ मिट्टी से खिलौने बनाने के दौरान एक बालिका को अपने जिस कौशल को विकासित करने का अवसर मिलेगा– **सूक्ष्म क्रियात्मक कौशल**	**CG TET (I-V) 09.01.2022**
■ श्रीमती कुमार का पहला बच्चा 10 महीने में चलने लगा। उनका दूसरा बच्चा अब 12 महीने का है और अभी भी नहीं चल रहा है। वह दुःखी या चिन्तित नहीं है, क्योंकि– **वह जानती हैं कि चलने के विकास के लिये वह अभी सामान्य समयबद्ध के अन्दर है**	**Haryana TET Paper - II (Class V I-VIII) 2013**
■ चालक विकास की दर में व्यक्तिगत विविधताएँ होती हैं, फिर भी चालक विकास का क्रम .... से .... तक है।**अपरिष्कृत (स्थूल) चालक विकास; परिष्कृत (सूक्ष्म) चालक वि**	**C TET (I-V) 7 Jul. 2019**
XII. सामाजिक विकास	
■ सामाजिक परिवेश से तात्पर्य है– **शिक्षक व समाज, संबंधी, मित्र, पड़ोसी, माता-पिता व परिवार के सदस्य**	**HP TET (Arts) Sep. 2018**

■ 'साथी समूह' से तात्पर्य है– **एक व्यवसाय में कार्यरत लोग, मित्र**	HP TET (Arts) Dec. 2014
■ वह अवस्था जब बालक अपने अभिभावकों के साथ कम आनन्दित होता है, सम्बन्धित है उसके– **सामाजिक विकास से**	H TET (I-V) 2017
■ सामाजिक विकास से संबंधित चरण जिसमें व्यक्ति समूह, समाज और राष्ट्र के बृहत्तर हितों में अपने हित को त्याग सकता है– **किशोरावस्था**	CG TET (I-V) 09.01.2022
■ आक्रामकता का कारण सामाजिक हो सकता है, न कि– **जीववैज्ञानिक, शरीर विज्ञान संबंधी**	CG TET (I-V) 09.01.2022
■ सामाजिक विकास अनिवार्य रूप से एक विषय है– **सामाजिक व्यवस्था के उद्देश्यों के साथ स्वयं के उद्देश्यों का एकीकरण**	CG TET (I-V) 09.01.2022
■ बच्चों के सामाजिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक हैं– **सामाजिक परिवेशजन्य तत्व**	UP TET Paper - I (Class I-V) 15 Oct 2017 UP TET (I-V) 23.01.2022 Reexame
■ बालक का सामाजिक विकास प्रभावित होता है– **सामाजिक–आर्थिक स्तर से, विद्यालय से, परिवार से**	B TET (I-V) 23.07.2017 BIHAR TET Paper I (I - IV) 2013
■ शिशु का सामाजिक विकास निर्भर करता है– **दूसरों से बातचीत करने के अवसर पर**	MP TET (I-V) 2011
■ बच्चे के सामाजिक विकास को प्रभावित कर सकता है– **पुरानी बीमारी**	MP TET (VI-VIII) 21 Feb 2019 (2:30 PM)
■ सामाजिक रूप से अपरिपक्व छात्रों को .... छात्रों के रूप में जाना जाता है। **निर्भर**	MP TET (VI-VIII) 17 Feb 2019 (2:30 PM)
XIII. मानसिक विकास	
■ जैसे-जैसे शिशु विकसित होता है, वैसे-वैसे उसकी मानसिक क्षमता– **बढ़ती है**	HP TET (Arts) Sep. 2018
■ परासंज्ञान/अधिसंज्ञान है– **अपनी खुद की सोच के बारे में सोचने की प्रतिक्रिया**	CTET (VI-VIII) 29.12.2021
■ एक शिक्षिका अपने विद्यार्थियों के बीच संज्ञानात्मक प्रबोधन कौशल को सुसाध्य करना चाहती है। इस उद्देश्य के लिए बचना चाहिए– **त्रुटियों को बिना चर्चा के खारिज करना**	CTET (VI-VIII) 08.01.2022
■ विकास का वह क्षेत्र जिसका संबंध बौद्धिक सामर्थ्यों जैसे कि ध्यान, स्मृति समस्या समाधान कल्पना और रचना करने से है– **संज्ञानात्मक क्षेत्र**	CTET (I-V) 22.12.2021
■ बच्चों में विवेचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने का उदाहरण है– **पता करो कि तटीय इलाके में रहने वाले लोग क्या खाते हैं व क्यों**	CTET (I-V) 16.01.2022
■ संज्ञानात्मक विकास का अर्थ है– **बुद्धि का विकास**	HP TET June 2019 HP TET (Arts) Feb. 2013
■ संज्ञानात्मक विकास का तात्पर्य है– **ग्रहण की गई संवेदी सूचनाओं का रूपान्तरण, ग्रहण की गई सूचनाओं का विस्तारण, सूचनाओं का संग्रहण एवं पुनः प्रस्तुतीकरण**	UK TET (I-V) 06.11.2019
■ 'जेण्डर स्कीमा थ्योरी' प्रस्तावित की थी– **एस.एल. बेम**	H TET (I-V) 11.11.2019
■ बच्चों में सृजनात्मकता का विकास करना, विकास के .... आयाम से संबंधित है। **मानसिक**	H TET PRT (I-V) 19.12.2021
■ बालक के 'बौद्धिक विकास' से तात्पर्य है– **समझ, कल्पना, तर्क**	CG TET (I-V) 09.01.2022
■ एक बालक की संज्ञानात्मक शक्तियाँ जैसे कल्पना-शक्ति, बुद्धि, निर्णय लेने की क्षमता, आदि का संबंध है बालक के **–मानसिक विकास से**	Haryana TET Paper - I (Class I-V) 2015
■ मानसिक विकास के तहत आने वाला आयाम है– **भाषा**	H TET (I-V) 2017
■ संज्ञानात्मक विकास का अर्थ है– **अभियोग्यता का विकास**	CG TET (I-V) 09.01.2022
■ मानसिक वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है– **सीखना तथा परिपक्वन दोनों**	Hariyana TET Paper -II (Class (VI-VIII) 2015
■ मानसिकता के सिद्धांत का सबसे अच्छा वर्णन करता है– **प्रौढ़ मानसिकता, असफलता को एक मामूली रुकावट के रूप में देखती है, सुधारने और विकसित होने का अवसर देती है**	MP TET (VI-VIII) 24 Feb 2019 (2:30 PM)
■ बच्चे के संज्ञानात्मक विकास हेतु उत्तम स्थान है– **विद्यालय एवं कक्षा का वातावरण**	UP TET Paper - II (Class VI-VIII) 27 June 2013
■ मानसिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक हैं– **वंशानुक्रम, परिवार का वातावरण, परिवार की सामाजिक स्थिति**	CG TET Paper - I (Class I-V) 2011

XIV. संवेगात्मक विकास

■ बच्चों के संवेगात्मक विकास को प्रभावित करने वाला कारक है– **स्वास्थ्य एवं शारीरिक विकास, पारिवारिक वातावरण और आपसी संबंध, पास-पड़ोस, समुदाय और समाज**	U TET (I-V) 2021
■ एक शिक्षक विद्यार्थियों को समझाते हैं कि उन्हें दूसरों के दृष्टिकोण से उत्तेजित नहीं होना चाहिए भले ही उनके दृष्टिकोण स्वयं से विपरीत क्यों न हों। वह विद्यार्थियों के जिस पक्ष पर ध्यान दे रहा है– **संवेगात्मक विकास**	CG TET (I-V) 09.01.2022
■ भावनात्मक लगाव को दर्शाता है– **अलग होने की घबराहट**	CG TET (I-V) 2016
■ बच्चे के संवेगात्मक विकास को सबसे कम प्रभावित करने वाला है– **खेलकूद**	Hariyana TET Paper - I (Class I-V) 2015
■ संवेगात्मक विकास को प्रभावित करने वाले कारक हैं– **शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक योग्यता, थकान**	UP TET Paper-I (Class I-V) 23 Feb 2014
■ पूर्व बाल्यावस्था में बालक के संवेगात्मक विकास हेतु सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है– **माता-पिता की**	Hariyana TET Paper -I (Class (I-V) 2011
■ ''कोई भी नाराज हो सकता है– यह आसान है, परन्तु एक सही व्यक्ति के ऊपर, सही मात्रा में, सही समय पर सही उद्देश्य के लिए तथा सही तरीके से नाराज होना आसान नहीं है।'' यह सम्बन्धित है– **संवेगात्मक विकास से**	DSSSB PRT UP TET 2015 (I-V)
■ खेल के माध्यम से बालक अपने संवेगों पर नियंत्रण करना सीख जाता है तो यह विकास कहलाता है– **संवेगात्मक विकास**	DSSSB PRT
■ वह परिस्थिति जिसमें बच्चे का संवेगात्मक एवं सामाजिक विकास अच्छे से होगा– **जब बच्चे को महत्त्वपूर्ण माना जाए, उसकी भावनाओं का सम्मान किया जाए**	DSSSB PRT UTET 2013 (I-V)
■ व्यापक वफादारी, दया भावना में वृद्धि व मानसिक स्थिति में उतार–चढ़ाव संबंधित है– **संवेगात्मक विकास की विशेषताओं से**	DSSSB PRT
■ बच्चों के संवेगात्मक विकास के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है– **कक्षा-कक्ष का प्रजातांत्रिक परिवेश**	C TET Paper - I (Class I-V) 22 Feb 2015 DSSSB PRT

XV. नैतिक विकास

■ बालक में नैतिक मूल्यों के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है– **प्रार्थना सभा, सही सामाजीकरण, बुद्धि**	H TET (I-V) 2017
■ विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास महत्त्वपूर्ण होता है। हम इस विकास के लिये करना चाहेंगे– **स्वयं को आदर्श के रूप में प्रस्तुत करना**	CG TET (VI-VIII) 2017
■ बच्चों में नैतिकता की स्थापना के लिए सर्वोत्तम मार्ग है– **शिक्षक का आदर्श रूप में व्यवहार करना**	UK TET Paper - I (Class I-V) 29 Jan 2011 DSSSB PRT
■ छात्रों में अच्छे नागरिक के गुण, समाहित करने का तरीका होना चाहिए– **उन्हें राष्ट्रीय नायकों से परिचित कराकर**	Haryana TET Paper - I (Class (I-V) 2011
■ बच्चों के अच्छे चरित्र निर्माण के लिए– **कक्षा–कक्ष गतिविधि इस प्रकार से हो कि बच्चों को चरित्र निर्माण में सहायता मिल सके**	DSSSB PRT UKTET-2013 (I-V)
■ चरित्र का विकास होता है– **इच्छाशक्ति द्वारा, बर्ताव एवं व्यवहार द्वारा, नैतिकता द्वारा**	UP TET Paper - II (Class VI-VIII) 13 Nov 2011
■ सही और गलत की समझ होना, यें .... विकास का हिस्सा है। **नैतिक**	MP TET (VI-VIII) 21 Feb 2019 (9:30 AM)

XVI. विकास और अधिगम में सम्बन्ध

■ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ अधिकतर संबंधित हैं– **छात्रों के सर्वांगीण विकास से**	CG TET (VI-VIII) 09.01.2022
■ विद्यालयों में सह-पाठ्येत्तर गतिविधियाँ आयोजित की जानी चाहिए, क्योंकि– **ये छात्र के समग्र विकास में सहायक है**	H TET (I-V) 2017
■ निचली कक्षाओं में शिक्षण की खेल-पद्धति मूल रूप से आधारित है– **विकास एवं वृद्धि के मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर**	Haryana TET (I-V) 2015 UPTET (I-V) 13 November 2011 C TET Paper -I (Class (I-V) 26 June 2011